16.3 लिखित परीक्षा :– लिखित परीक्षा में निम्नलिखित तीन पत्र होंगे। प्रत्येक पत्र की परीक्षा की अवधि दो घंटे की होगी। तीनों ही पत्रों के प्रत्येक प्रश्न तीन अंक के होंगे। सही उत्तर के लिए तीन अंक प्रदान किये जायेंगे एवं प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक की कटौती की जाएगी। तीनों पत्रों के सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय उत्तर आधारित होंगे।

(I) पत्र 1 – विषय : (भाषा ज्ञान)

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान – 80 प्रश्न

(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान – 40 प्रश्न

कुल – 120 प्रश्न

इस परीक्षा में उर्त्तीण होने के लिए 30 प्रतिशत न्यूनतम अर्हतांक निर्धारित रहेगा। न्यूनतम अर्हतांक से कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए चयन हेतु असफल/अयोग्य माने जाएंगे। प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जायेगा।

(II) पत्र 2 – (क्षेत्रीय /जनजातीय भाषा ज्ञान)

हिन्दी/ अंग्रेजी/ संस्कृत/ उर्दु/ संथाली/ बंगला/ मुण्डारी (मुण्डा)/ हो/ खड़िया/ कुडुख (उराँव)/ कुरमाली/ खोरठा/ नागपुरी/ पंचपरगनीया/ उड़िया में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के एक सौ (100) बहुविकल्पीय उत्तर आधारित प्रश्न पूछे जायेगे।

नोट – पत्र – 02 में 30 प्रतिशत न्यूनतम अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

(III) पत्र :– 3

इस पत्र में पूछे जाने वाले प्रश्नों की संख्या 120 (एक सौ बीस) होगी एवं विषय तथा प्रश्नों की संख्या अधोलिखित होगीः–

सामान्य अध्ययन	–	40 प्रश्न
झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञान	–	50 प्रश्न
सामान्य विज्ञान	–	20 प्रश्न
सामान्य गणित	–	10 प्रश्न
कुल	–	120 प्रश्न

नोट– पत्र – 03 में 30 प्रतिशत न्यूनतम अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

टिप्पणी – (1) पत्र–1 (भाषा ज्ञान) की परीक्षा में न्यूनतम अर्हतांक 30 प्रतिशत होगा। न्यूनतम अर्हतांक से कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए चयन हेतु असफल/अयोग्य माने जायेंगे। प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जायेगा।

(2) पत्र–2 क्षेत्रीय/जनजातीय भाषा ज्ञान तथा पत्र–3 सामान्य ज्ञान की परीक्षा में न्यूनतम अर्हतांक 30 प्रतिशत होगा।

(3) पत्र–1, पत्र–02 एवं पत्र–03 की परीक्षा में न्यूनतम अर्हतांक 30 प्रतिशत अथवा इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के पत्र–2 एवं पत्र–3 में प्राप्त अंकों को जोड़ कर कुल अंकों के आधार पर मेधा का निर्धारण किया जायेगा।

(4) प्रत्येक पत्र की परीक्षा की अवधि दो घंटे की होगी।

16.4 मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्रम :–

(I) <u>पत्र–1 (भाषा ज्ञान)</u>

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान :–

(i) हिन्दी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न – 20 प्रश्न

(ii) हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न – 60 प्रश्न

इस विषय में हिन्दी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान :–

(i) अंग्रेजी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न – 20 प्रश्न

(ii) अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न – 20 प्रश्न

इस विषय में अंग्रेजी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

(II) <u>पत्र–2 (क्षेत्रीय/ जनजातीय भाषा ज्ञान)</u>

क्षेत्रीय/ जनजातीय भाषा ज्ञान का पाठ्यक्रम परिशिष्ट–XIII के रूप में विवरणिका के साथ संलग्न है।

(III) पत्र–3 (सामान्य ज्ञान)

(क) सामान्य अध्ययनः– इसमें प्रश्नों का उद्देश्य अभ्यर्थी के आस–पास के वातावरण की सामान्य जानकारी तथा समाज में उनके अनुप्रयोग के संबंध में उसकी योग्यता की जाँच करना होगा। वर्तमान घटनाओं और दिन–प्रतिदिन की घटनाओं के सूक्ष्म अवलोकन तथा उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसे मामलों की जानकारी जैसा कि किसी भी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है। इसमें भारत देश एवं झारखण्ड राज्य के संबंध में विशेष रूप से यथा संभव प्रश्न पूछे जा सकते हैं। सम–सामयिक विषय– राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पुरस्कार, भारतीय भाषाऐं, पुस्तक, लिपि, राजधानी, मुद्रा, खेल–खिलाड़ी महत्वपूर्ण घटनाऐं। भारत का इतिहास, संस्कृति, भूगोल, पर्यावरण, स्वतंत्रता आंदोलन, भारतीय कृषि तथा प्राकृतिक संसाधनों की प्रमुख विशेषताएँ एवं भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था, पंचायती राज, सामुदायिक विकास, झारखण्ड राज्य की सामान्य जानकारी।

(ख) झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञानः–झारखण्ड राज्य के भूगोल, इतिहास, सभ्यता संस्कृति, भाषा–साहित्य, स्थान, खान खनिज, उद्योग, राष्ट्रीय आंदोलन में झारखण्ड का योगदान, विकास योजनाएँ, खेल–खिलाड़ी इत्यादि।

(ग) सामान्य विज्ञान :– सामान्य विज्ञान के प्रश्न में दिन–प्रतिदिन के अवलोकन एवं अनुभव पर आधारित विज्ञान की सामान्य समझ एवं परिबोध से संबंधित विषय रहेंगें, जैसा कि एक सुशिक्षित व्यक्ति से, जिसने किसी विज्ञान विषय का विशेष अध्ययन नहीं किया हो, अपेक्षित है।

(घ) सामान्य गणित :– इस विषय में सामान्यतः अंक गणित से सम्बन्धित प्रश्न रहेंगे। सामान्यतः इसमें मैट्रिक/दसवीं कक्षा स्तर के प्रश्न रहेंगे।

16.5 शारीरिक दक्षता परीक्षण :–

मात्र पुरूष अभ्यर्थियों के सीने की माप का जाँच किया जायेगा। अभ्यर्थियों की शारीरिक माप विवरणिका की कंडिका–06 के अनुरूप होगी।

दौड़ः–

(क) पुरूषों के लिए 10 कि0 मी0 60 मिनट में।

(ख) महिलाओं के लिए 05 कि0 मी0 40 मिनट में।

शारीरिक दक्षता परीक्षण का प्रपत्र **परिशिष्ट–X** के रूप में विवरणिका के साथ संलग्न है।

16.6 चिकित्सीय जाँच :–

I. लिखित परीक्षा में उतीर्ण अभ्यर्थियों का चिकित्सीय जाँच जिला के असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी की अध्यक्षता अथवा उनके द्वारा गठित चिकित्सीय पर्षद द्वारा किया जायेगा। उक्त परीक्षण में सफल होना आवश्यक है अन्यथा चयन हेतु मेधा सूची में शामिल नहीं किया जाएगा।

II. **अभ्यर्थियों के शारीरिक बनावट में मुड़ा घुटना, धनु पैर, समतल पैर, स्पीत शिरा, ऊँगलियों का उचित ढंग से नहीं घुमना, दृष्टिदोष, कलर ब्लाईंडनेश (Colour Blindness) / रतौंधी (Night Blindness), Hearing, Stammering, Bericocele/ Hydrocele/ Piles और Any Communicable Physical/ Mental Disease आदि की चिकित्सीय परीक्षण की जायेगी।**

चिकित्सीय जाँच का प्रपत्र **परिशिष्ट–XI** के रूप में विवरणिका के साथ संलग्न है।

III. चिकित्सा पर्षद द्वारा दिये गये निर्णय के विरूद्ध अपील के लिए **Apex Medical Board,** अधीक्षक राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान, राँची की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय चिकित्सा पर्षद, झारखण्ड, राँची होगा।

Apex Medical Board के द्वारा चिकित्सीय जाँच का प्रपत्र **परिशिष्ट–XII** के रूप में विवरणिका के साथ संलग्न है।

17. मुख्य परीक्षा के आधार पर मेधा सूची का निर्माण :

(i) आयोग द्वारा आयोजित मुख्य परीक्षा के उपरांत विवरणिका की कंडिका–16.3 की टिप्पणी के अधीन प्रश्न पत्र 2 एवं 3 के विषयों के प्राप्तांक/Normalised प्राप्तांक के योगफल के आधार पर सामान्य मेधा–सूची (Common Merit List) तैयार की जायेगी और कोटिवार रिक्त पदों की संख्या के अनुसार अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।